भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2061
गुरुवार, 31 जुलाई, 2025/9 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तन पर सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन

2061. श्री प्रवीन खंडेलवालः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान देश के सभी विमानपत्तन पर सुरक्षा प्रणालियों और उपकरणों के उन्नयन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है;

(ख) क्या सरकार ने विमानपत्तन पर सुरक्षा में सुधार हेतु स्वदेशी प्रौद्योगिकी में निवेश बढ़ाने पर विचार किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले पाँच वर्षों के दौरान दर्ज की गई कुल गंभीर सुरक्षा चूकों का ब्यौरा क्या है और ऐसी स्थितियों को सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(घ) क्या सरकार ने विमानपत्तन पर सुरक्षा में सुधार हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के विकास/उपयोग पर विचार किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारत के सभी हवाईअड्डों पर क्लोस्ड सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी), ऑटोमैटिक ट्रे रिट्रीवल सिस्टम (एटीआरएस)/ एक्स-रे बैगेज इंस्पेकशन सिस्टम (एक्स-बीआईएस), डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर्स (डीएफएमडी), हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर्स (एचएचएमडी) और एक्सप्लोसिव ट्रेस डिटेक्टर्स (ईटीडी), आदि जैसे सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं। पिछले 5 वर्षों में कुछ प्रमुख हवाईअड्डे उन्नत सुरक्षा प्रणालियों और उपकरणों, जैसे डुअल व्यू एक्सबीआईएस, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, क्यू मैनेजमेंट सिस्टम, एटीआरएस, पेरीमीटर इंट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम (पीआईडीएस), रिमोट स्क्रीनिंग और चेहरे से-सत्यापन-आधारित पहुँच-डिजी यात्रा, फेशियल-वेरीफिकेशन-बेस्ड ऐक्सेस से सुसज्जित किए गए हैं।

सुरक्षा उपकरणों के प्रावधान पर होने वाला व्यय हवाईअड्डा प्रचालकों की ज़िम्मेदारी है। स्वदेशी उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना एक सतत प्रयास है और सरकार आत्मनिर्भर भारत के तहत मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा दे रही है।

(ग) : भारत के विमानन सुरक्षा विनियामक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के अनुसार, पिछले 5 वर्षों के दौरान कोई गंभीर सुरक्षा चूक दर्ज नहीं की गई है। तथापि, अतिचार के कुछ मामलें सामने आए और अतिचार करने वालों को पकड़ा गया।

(घ) : हवाईअड्डों की सुरक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित उभरती प्रौद्योगिकियों से हवाईअड्डों को सुसज्जित करना एक सतत प्रक्रिया है।

******